मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

कोरोना-विशेषांक

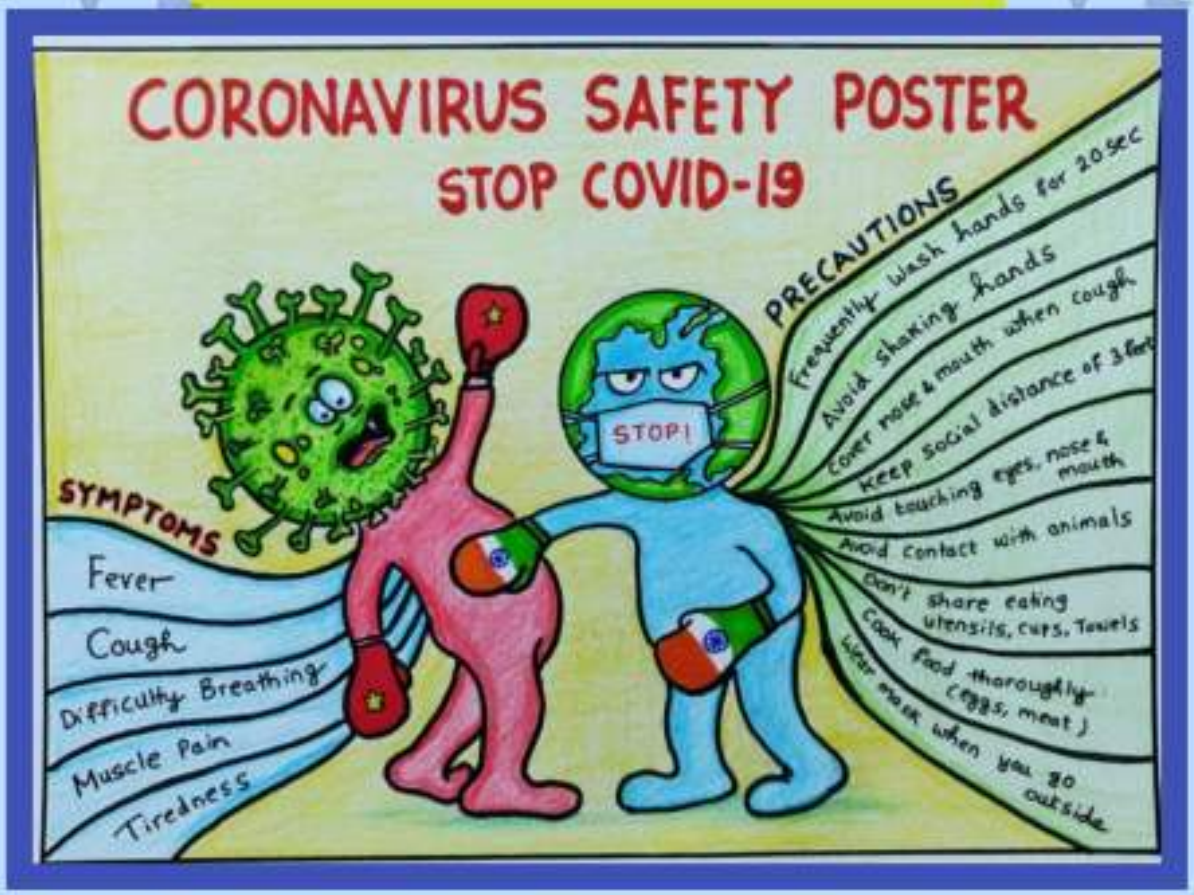

मार्गदर्शक

वकील गौड़
(इ०अ०)
प्रा०वि० गंगोह नं०2
गंगोह, सहारनपुर

रचनाकार

अभिलाषा शर्मा
(स०अ०)
प्रा०वि० गंगोह नं०2
गंगोह, सहारनपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
कोरोना-विशेषांक
01

कोरोना, अब ना सताओ

कोरोना, अब तुम जाओ,
हमको यूं ना सताओ।
छिना हमसे सब तुमने,
इस कदर ना दहशत फैलाओ।।

रूठ गया बचपन हमसे,
छुट गयें सब साथीं।
ना मस्तीं अब छुट्टी की,
ना मिलीं हमें आजादी।।

ना बांटें मम्मीं पढ़ने को,
ना पापा टीवी को टोके।
दादी रामायण हैं दिखाती,
दादा बाहर जाने को रोकें।।

आन्टी अब घर नहीं आतीं,
ताई नहीं मांगती तरकारी।
कोरोना, अब तुम जाओ,
हमको यूं ना सताओ।।

रचना
अभिलाषा शर्मा (स०अ०),
प्रा०वि०गंगोह नं०2
गंगोह, सहारनपुर

शिक्षा का उत्थान ,शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

कोरोना-विशेषांक

02

तीसरी लहर, बच्चों के लिए कहर

कोविड़ हैं एक भयंकर महामारी,
जिससे बचने की करनी हैं, हमको तैयारी।
जरा भी गलती पड़ सकतीं हैं भारी,
कर लो यारो इसकी पहले से तैयारी।।

तीसरी लहर में हैं ख़तरा भारी,
बच्चों की जान हैं,हम सबको प्यारी।
ना भेजो नन्हे-मुन्नो को बाहर,
ना करनें दो किसी आने वालों को उनसे प्यार।।

दो रोज़ खानें में फल-जूस-अचार,
हल्दी का दूध हैं,इसका बेहतर उपचार।
सरकार ने कर ली अब इसकी तैयारी,
हम सबको भी हैं निभानी अपनी जिम्मेदारी।।

नौनिहाल ना इसमें फंसने पायें,
आओ मिलकर बेहतर कदम उठायें।
कुछ तो हम भी जिम्मेदारी निभाये,
और नहीं कुछ तो बेहतर जानकारी फैलाये।।

रचना
अभिलाषा शर्मा (स०अ०),
प्रा०वि०गंगोह नं०2
गंगोह, सहारनपुर

शिक्षा का उत्थान ,शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

कोरोना-विशेषांक

03

कोरोना-एक संक्रमण

कोरोना एक वायरस का हैं नाम,
कोविड़-19 नाम से हैं इसकी पहचान।
छींक,खांसी और मामूली जुखाम,
जन्मस्थान बना इसका चीन का वुहान।।

सबका जीना किया हराम,
राष्ट्रीय चिंता का कारण महान।
दूर करो ये नजला-जुखाम,
ना होना अब और परेशान।।

हाथ धोएं,मास्क पहने बारम्बार,
दूर रहें सब यार रिश्तेदार।
वैक्सीनेशन हैं इसका उपचार,
नहीं होने देना अब कोई बीमार।।

इस संक्रमण को दूर भगाओ यार,
सब मिलकर करें इसका उपचार।
ना बिछड़े किसी के भी प्यारे,
सब बंधु रहें इक-दूजे के सहारे।।

रचना
अभिलाषा शर्मा (स०अ०),
प्रा०वि०गंगोह नं०2
गंगोह, सहारनपुर

शिक्षा का उत्थान,शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
कोरोना-विशेषांक
04

मनुज:कहां डरता

ये मनुज हैं जनाब कहां डरता,
हर परिस्थिति से डटकर लड़ता।
बच्चों की भूख मिटाता,
कोरोना से भी पीछे ना हटता।।

बन्द हैं सब हाट-बाजार,
नहीं होता ये फिर भी लाचार।
पुलिस के डंडे खाता अपार,
फिर भी सामान बेचने को हैं तैयार।।

बेकारी कहो या उसकी लाचारी,
दूर होंगी कब में बीमारी।
सोच का कारण बना ये भारी,
परिस्थिति ने बना दिया भिखारी।।

खो गई कहीं उसकी खुद्दारी,
सीमित हुई जरुरतें सारी।
ना मिट पाती ये लाचारी,
भूख बनी हर चीज़ से भारी।।

अब तो विनती सुन लो सरकार,
जल्दी खोलो सब हाट-बाजार।
तिल-तिल ना हमको मरना,
भूखें बच्चों का पेट हैं भरना।।

रचना
अभिलाषा शर्मा (स०अ०),
प्रा०वि०गंगोह नं०2
गंगोह, सहारनपुर

शिक्षा का उत्थान ,शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
कोरोना-विशेषांक
05

वैक्सीनेशन हैं करना

वैक्सीनेशन हैं हम सबको करवाना,
जीवन रक्षा की राह ये अपनाना।
मिलकर हैं सब भ्रम दूर भगाना,
नहीं किसी भी बहकावे में आना।।

दो बार हैं ये वैक्सीनेशन करवाना,
वैक्सीन के बाद भी खास उपाय अपनाना।
हल्के बुखार,जकड़न से ना घबराना,
सही जानकारी संग डोज ये लगवाना।।

गर बीमारी से हैं डटकर लड़ना,
हर व्यक्ति का वैक्सीनेशन होगा करना।
सही जानकारी को हैं मिलकर फैलाना,
देश हित में बस ये योगदान कर जाना।।

बस अन्त में हैं इतना कहना,
नहीं कोई बहाना हैं बनाना।
संक्रमण को मिलकर दूर हैं भगाना,
बिना मास्क नहीं कभी बाहर जाना।।

"वैक्सीन हैं पूरी तरह सुरक्षित,
जो करती मानव जीवन रक्षित।"

रचना
अभिलाषा शर्मा (स०अ०),
प्रा०वि०गंगोह नं०2
गंगोह, सहारनपुर

शिक्षा का उत्थान ,शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

कोरोना-विशेषांक

06

कोरोना बनाम पढ़ाई

रोज़ स्कूल था मेरा लगता,
ना जाने के बहाने था करता।
होमवर्क से मन था उकताता,
मैडम पर भी गुस्सा था आता।।

कोरोना एक दिन संक्रमण रुप में आया,
नहाना-खाना-बाहर जाना सब भुलाया।।

स्कूल नहीं अब हमारे खुलते,
घर रह मन हमारे मचलते।
मास्टर नहीं हमें स्कूल बुलाते,
दोस्तों से मिलने को हम तरसते।।

लॉकडाउन तुम जल्दी बनो चलते,
हमको उठाने कन्धो पर बस्ते।
कोरोना तुम लगो अपने रस्ते,
नहीं हैं मोल पढ़ाई के सस्ते।।

हम करते तुमको जाने की नमस्ते,
हमारी तरफ से टाटा-बाय हँसते- हँसते।।

रचना
अभिलाषा शर्मा (स०अ०),
प्रा०वि०गंगोह नं०2
गंगोह, सहारनपुर

शिक्षा का उत्थान ,शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
कोरोना-विशेषांक
07

तुमको दया ना आये

साथी कितने हमारे हमसे छूटे,
घर जाने तुमने कितनों के लूटे।
ये दुनिया बनी एक मरघट,
जाते हीं नहीं तुम हमें यूं लूटकर।।
हर तरफ लाशों का है जमघट,
सांसें चलें हमारी घूट-घूटकर।।।
क्या जरा भी दया ना तुमको आये,
इतनी हत्या कैसे कर पाये।
ये मनुज बड़े डरपोक कहाये,
एक मौत से ही दिल दहशत खाये।।
काश तुमको हालात इनके समझ आये,
फिर यूं ना सगे-संबंधियों को बिछडाये।।।
गर मनुज को मनुज से ना डराये,
एक-दूजे का वो सहारा बन पाये।
बेजान हुए जिस्मों को ना मुर्दा बनाये,
हंसते हुए चेहरों को यूं ना रुलाये।।
कुछ रहम तो हम सब पर (कोरोना)दिखाये,
अब जाकर ना पलटकर वापस आये।।।

रचना
अभिलाषा शर्मा (स०अ०),
प्रा०वि०गंगोह नं०2
गंगोह, सहारनपुर

शिक्षा का उत्थान ,शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
कोरोना-विशेषांक
08

नर-नर पिशाच

कोरोना तुम इन्सानों की पहचान कराते,
सही-गलत का असली रुप दिखाते।
जब आये तुम दिल था डरता,
पर अब आना तुम्हारा पाक-साफ हैं लगता।।

एक तरफ नर-पिशाच हैं दिखते,
जो अपनी हवस के चलते पल-पल गिरते।
ऑक्सीजन-सिलेण्डर सील है करते,
बदलें में जिस्मो की मांग हैं रखते।।

दूजी ओर नर रुप में नारायण छिपते,
जो अपना सर्वस्व इन्सानियत के नाम है करते।
ना स्व-जीवन का मोह हैं रखते,
अन्तिम सांसों पर बैड दूजे के नाम हैं करते।।

कुछ तो शर्म करो अब प्यारो,
थोड़ी मानवता अब तो बचालो।
झूठ-पाखण्ड के भ्रम से निकलो,
सहायता को ही जीवन मन्त्र बनालो।।

रचना
अभिलाषा शर्मा (स०अ०),
प्रा०वि०गंगोह नं०2
गंगोह, सहारनपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
कोरोना-विशेषांक
09

वृक्षों का महत्त्व

कोरोना, जब से तुम मेरे देश हो आये,
अच्छे-बुरे सब प्रभाव संग में लाये।
पीड़ित मरीज ऑक्सीजन क़िल्लत हैं पाये,
जो हमको वृक्षों का महत्त्व हैं समझाये।।

पीपल-बरगद-अर्जुन का सब पेड़ लगाये,
नीम-अशोक-जामुन ना पीछे रह जाये।
सब पेड़ों की लीला अब समझ में आये,
कोइ भी वृक्ष अकारण महत्त्व न पाये।।

मेरी संस्कृति में पेड़ देव-सा स्थान पाये,
पीपल 24 घं० ऑक्सीजन गैस बहाये।
बरगद राष्ट्रीय वृक्ष यूं ही ना कहलाये,
अशोक वृक्ष चारों ओर सुगन्ध फैलाये।।

अर्जुन हमेशा हरा-भरा रह पाये,
नीम हमारा वायु-शुद्धिकरण कर जाये।
जामुन वृक्ष से देश मेरा जम्बुद्वीप कहलाये,
ये वृक्ष हमें कोरोना से लडना भी सिखाये।।

रचना
अभिलाषा शर्मा (स०अ०),
प्रा०वि०गंगोह नं०2
गंगोह, सहारनपुर

शिक्षा का उत्थान ,शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
कोरोना-विशेषांक
10

कोरोना का यूं करें बहिष्कार

कोरोना का करें सही इन्तजाम,
मिलकर पेड़ लगाए हर बार।
अपनाएं योग और प्राणायाम,
सैनेटाइजर रखें हमेशा पास में यार।।

2-गज दूरी का पढ़ लें कलमा,
साबुन से हाथ धोएं बारम्बार।
करें हम सब भरपूर आराम,
छींकों मूडी कोहनी पर हर बार।।

काढ़ा पिये बनाकर सुबह-शाम,
बिन बीमारी भी लें पोषक आहार।
कोरोना के खिलाफ हैं,ये संग्राम,
आओ मिलकर करें इसका बहिष्कार।।

रचना
अभिलाषा शर्मा (स०अ०),
प्रा०वि०गंगोह नं०2
गंगोह, सहारनपुर

मिशन शिक्षण संवाद

बेसिक शिक्षा विभाग

कोरोना-विशेषांक

मार्गदर्शक

वकील गौड़

(इ०अ०)

प्रा०वि० गंगोह नं०2

गंगोह, सहारनपुर

रचनाकार

अभिलाषा शर्मा

(स०अ०)

प्रा०वि० गंगोह नं०2

गंगोह, सहारनपुर